

東亞日報

本報地址：大韓京城內南門外東大街
電話：二二二二
發行人：金九
編輯：金九
印刷：金九

青年會聯合會 對各地同盟會 更告

青年會聯合會，自成立以來，對於各地同盟會，素極重視。茲因各地同盟會，對於本會之組織，多有誤解。爰將本會之宗旨，及組織，更告如下：

一、本會之宗旨，在於促進青年之福利，及社會之進步。凡我青年，如有志於此者，請即加入本會。

二、本會之組織，係由各青年會，及社會團體，共同組成。凡我青年，如有志於此者，請即加入本會。

三、本會之活動，係以青年之福利，及社會之進步，為主要目的。凡我青年，如有志於此者，請即加入本會。

學友會主權 東亞日報後援 夏期巡迴講演大會

學友會主權 東亞日報後援
夏期巡迴講演大會
講演地：三十二處 辯士：十八名

巡迴講演順序

木浦	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛	崔元淳	禮山	金剛
----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----	-----	----	----

